हरि जीत ले लंका | By Hari Sharma

मेरे राम आएंगे मुझे गले लगाएंगे
रावण से जीतेंगे मुझे संग ले जाएंगे
माँ मेरी मुझको ये विश्वास है
माँ मेरी उनसे मेरी आस है

मानी अगर होती बातें लखन की जो
होता नहीं ऐसा आती यहाँ मैं क्यों
प्रभु भूल को मेरी अब भूल जायेंगे
रावण से जीतेंगे मुझे संग ले जाएंगे

हनुमान ने जाकर सब हाल कहा होगा
कैसे प्रभु ने फिर धीरज धरा होगा
मैं जानती हूँ वो अब रुक नहीं पाएंगे
रावण से जीतेंगे मुझे संग ले जाएंगे

दिन भी नहीं कटता रातें रुलाती हैं
संग में गुज़ारी जो यादें सताती हैं
बेचैन मैं कितनी प्रभु जान जाएंगे
रावण से जीतेंगे मुझे संग ले जाएंगे

बजने ही वाला है अब युद्ध का डंका
मैं भी ये ही चाहूँ हरी जीत ले लंका
तेरे प्रेम के आगे वो हार जायेंगे
रावण से जीतेंगे तुझ संग ले जाएंगे

जीतेगा तुझको जो विश्वास है
राम पे सच्ची तेरी आस है

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b9%e0%a4%b0%e0%a4%bf-%e0%a4%9c%e0%a5%80%e0%a4%a4-%e0%a4%b2%e0%a5%87-%e0%a4%b2%e0%a4%82%e0%a4%95%e0%a4%be-by-hari-sharma/